पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.06.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दिल्ली चलो आर्य युवको

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

## 41वां राष्ट्रीय अधिवेशन

रविवार, 1 सितम्बर 2019,
प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक
स्थानः योग निकेतन सभागार,
पश्चिमी पंजाबी बाग,दिल्ली

वर्ष-36 अंक-02 आषाढ़-2076 दयानन्दाब्द 196 16 जून से 30 जून 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.06.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के राष्ट्रीय आर्य युवक शिविर का शुभारम्भ

### राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगें आर्य युवा—डॉ शशिभूषण अरोड़ा, निदेशक इग्नू नई दिल्ली

श्री अजय चौहान (प्रधान, आर्य समाज, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली) व श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी शिक्षण संस्थान) को शिविर निमन्त्रण देते हुए अनिल आर्य व द्वितीय चित्र—शिविर उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डा.शशिभूषण अरोड़ा (निदेशक, इग्नयु,नई दिल्ली) का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रवीन आर्य, महेन्द्र भाई व रामकुमार आर्य।

शनिवार 8 जून 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली के तत्वावधान में ''आर्य युवक व्यक्तित्व विकास शिविर'' का शुभारंभ डॉ अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में हुआ । शिविर में 250 आर्य युवक भाग ले रहे है। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ शशिभूषण अरोड़ा, निदेशक इग्नू नई दिल्ली ने कहा कि यह चरित्र वान युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायँगे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर युवा पीढ़ी के आदर्श है उन्होंने देश की आजादी में उल्लेखनीय योगदान दिया। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी एक नई वैचारिक क्रांति को जन्म दिया जिससे प्रेरणा लेकर हजारो लोग आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। हमे इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भावी युवा पीढ़ी चरित्रवान व संस्कारवान बने यही आर्य समाज का लक्ष्य है इन शिविरों से निकले युवा ईश्वर भक्त व राष्ट्र भक्त बनेंगे। परिषद निरंतर युवाओं के निर्माण में संलग्न है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि बच्चे कच्चे घड़े की तरह होते है जैसे बचपन में बनाओगे वे वैसा ही बनेगे। राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,बहिन गायत्री मीणा, आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली),राज सरदाना ने भी अपने विचार रखे। शिविर में 8 दिन तक युवक योगासन, दण्ड बैठक, लाठी, जूडो कराटे, आत्म रक्षा व साथ ही संध्या यज्ञ भारतीय संस्कृति की जानकारी का शिक्षण प्राप्त करें जिससे वह अपनी पुरातन भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सीखें। व्यायामाचार्य सौरभ गुप्ता, योेन्द्र शास्त्री, अरुण आर्य,शिवम मिश्रा, हिमांशु आर्य आदि प्रशिक्षण दे रहे है।

ऐमिटी सेक्टर—44, नोएडा के मैदान में आर्य युवक शिविरार्थी

## प्रवेश परीक्षा— गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ

**प्राचीन वैदिक आर्ष परम्परा के संवाहक गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, उत्तर प्रदेश में नवीन प्रवेशार्थी छात्रों की प्रवेश—परीक्षा पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 26 जून से 30 जून 2019 तक सम्पन्न होगी। प्रवेशार्थी छात्रा की अर्हता पंचम श्रेणी उत्तीर्ण, मेधावी, स्वस्थ, सुशील एवं आयु 10 वर्ष होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा लिखित एवं मौखिक दो चरणों में एक दिन में ही प्रातः 8.00—11:00 तथा सायं 2:00 से 5:00 बजे तक होगी। लिखित परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र ही मौखिक परीक्षा के लिए चुना जाएगा। विशेष जानकारी के लिए आचार्य गुरुकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला झाल, मेरठ से सम्पर्क करें। दूरभाष— 8006702551**

**जहां नहीं होता कभी विश्राम आर्य युवक परिषद है उसका नाम**

# जम्मू कश्मीर में नया अध्याय लिखा जा सकता है

— अवधेश कुमार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यभार संभालने के साथ जिस तरह जम्मू कश्मीर पर ध्यान केन्द्रित किया है उससे साफ है कि केन्द्र सरकार के मुख्य फोकस में यह राज्य है। वस्तुत: भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जम्मू कश्मीर के संबंध में कई घोषणाएं की हैं। पाकिस्तान में घुसकर हवाई कारवाई के बाद वैसे भी आम भारतीय की उम्मीदें सरकार से बढ़ गई है। आम भारतीय यह मानकर चल रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस बार जम्मू कश्मीर में स्थायी शांति बहाल हो जाएगी। कश्मीर में स्थायी शांति के आयाम काफी व्यापक हैं। इसमें आतकवादियों, उनके प्रायोजकों और समर्थकों, अलगाववादियों, मजहबी कट्टरपंथियों आदि के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई के साथ अब तक वहां शासन करने वाली पार्टियों की दोहरे चेहरे को जनता के सामने उजागर करने तथा जम्मू कश्मीर के अंदर राजनीतिक-प्रशासनिक असंतुलन को खत्म करना आदि शामिल हैं। गृहमंत्री का पद संभालने के कुछ ही घंटों के अंदर उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सतपाल मलिक के साथ पूरी स्थिति पर बातचीत की। उसके बाद से बैठकों का सिलसिला चलता रहा। एक बैठक में तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्रे निर्मला सीतारमण, तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान तक शामिल थे। इसके संकेतों को समझे तो जम्मू कश्मीर में समग्रता में कदम उठाया जा रहा है। आखिर इसका विदेशी आयाम भी है और वित्तीय भी। सुरक्षा अधिकारियों के साथ उन्होंने अलग से बातचीत की। सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक के बाद श्री अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित करने की योजना को अंतिम रुप मिला। साथ ही शीर्ष दस आतंकवादियों की सूची तैयार हुई जिन पर फोकस औगरेशन शुरू हो गया है। इनमें हिज्बुल मुजाहिदीन के उच्चतम कमांडर रियाज अहमद नायकू रियाज नायकू शामिल है।

आतंकवाद को इस्लामी राज स्थापना का लक्ष्य घोषित करने वाले जाकिर मूसा सहित 103 आतंकवादी मारे जा चुके हैं। अमित शाह के नेतृत्व में इससे आगे का ही कार्य होना है। उनकी सक्रियता को लेकर कश्मीर घाटी में गलतफहमी भी फैलाने की कोशिश हुई है। इन सब बैठकों के बीच राज्य के विधानसभा सीटों के परिसीमन का मुद्दा भी सामने आ गया। इस पर किसी तरह का अधिकृत बयान हमारे पास नहीं है। पर अगर बैठक में बातचीत नहीं हुई होती यह खबर बाहर नहीं आती। कहा जा रहा हैकि शाह ने गृह सचिव राजीव गौबा और कश्मीर मामलों के अतिरिक्त सचिव ज्ञानेश कुमार के साथ परिसीमन पर विचार-विमर्श किया। इस पर आगे बढ़ा जाएगा या नहीं कहना मुश्किल है। जम्मू और लद्दाख के लोगों की पुरानी मांग है कि हमारे साथ प्रतिनिधित्व में असमानता है जिसे दूर किया जाना चाहिए। इसलिए ऐसा हो तो स्वागत किया जाएगा। अगर चुनाव आयोग को वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव कराने की हरि झंडी मिली है और परिसीमन करना है तो उससे पहले कर लेना होगा। परिसीमन की चर्चा के साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं पीडीपी दोनों के विरोधी स्वर सामने आ गए हैं। मेहबूबा मुफ्ती ने तो इसको जम्मू कश्मीर का सांप्रदायिककरण करार दे दिया तो उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि परिसीमन पर रोक 2026 तक पूरे देश में लागू है। यह केवल जम्मू कश्मीर के संबंध में रोक नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि अगर ऐसा हुआ तो वह इसका कड़ा विरोध करेंगे। निस्संदेह यदि परिसीमन का फैसला होता है तो इनके साथ अलगावादी ताकतें भी विरोध करेंगी। ईद के दिन घाटी में काफी समय बाद जिस तरह की पत्थरबाजी की गई संभव है उसके पीछे ऐसी ही ताकते हों जो वहां किसी तरह का बदलाव नहीं चाहतीं। वर्तमान परिसीमन के तहत ही तो घाटी का वर्चस्व है। जम्मू कश्मीर में आखिरी बार 1995 में परिसीमन हुआ था। स्वयं राज्य के संविधान के अनुसार हर 10 साल के बाद विधानसभा क्षेत्रें का परिसीमन किया जाना चाहिए। 1995 में राज्यपाल जगमोहन के आदेश पर 87 सीटों का गठन किया गया। विधानसभा में कुल 111 सीटें हैं, लेकिन 24 सीटों को रिक्त रखा गया है। संविधान की धारा 47 के मुताबिक इन 24 सीटों को पाक अधिकृत कश्मीर के लिए खाली छोड़ गया है। शेष 87 सीटों पर चुनाव होता है। कायदे से विधानसभा क्षेत्रों का 2005 में किया जाना चाहिए था। लेकिन फारूक अब्दुल्ला सरकार ने इसके पूर्व 2002 में ही जम्मू-कश्मीर जनप्रतिनिधित्व कानून 1957 और जम्मू-कश्मीर के संविधान में बदलाव करते हुए इस पर 2026 तक के लिए रोक लगा दी।

जरा यहां की भौगोलिक स्थिति को समझिए। जम्मू संभाग 26, 200 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यानी राज्य का 25.93 फीसदी क्षेत्र फल जम्मू संभाग के अंतर्गत आता है। यहां विधानसभा की कुल 37 सीटें हैं। कल क्षेत्र का 58.33 प्रतिशत लद्दाख संभाग में है लेकिन यहां विधानसभा की केवल चार सीटें हैं। इसके समानांतर कश्मीर संभाग का क्षेत्रफल 15.7 प्रतिशत यानी 15900 वर्ग किलोमीटर है और यहां से कुल 46 विधायक चुने जाते हैं। कश्मीर संभाग के लोग कहते हैं कि उनकी जनसंख्या ज्यादा है। मसलन, 2011 की जनगणना के मुताबिक जम्मू संभाग की आबादी 5378538 है, जो राज्य की कुल आबादी का 42.89 प्रतिशत है। कश्मीर की आबादी 6888475 है, जो राज्य की आबादी का 54.93 प्रतिशत है। कश्मीर घाटी की कुल आबादी में 96.4 प्रतिशत मुस्लिम हैं। जम्मू संभाग की कुल आबादी में डोगरा समुदाय की आबादी 62.55 प्रतिशत है। लद्दाख की आबादी 2,74,289 है। इसमें 46.40 प्रतिशत मुस्लिम, 12.11 प्रतिशत हिंदू और 39.67 प्रतिशत बौद्ध हैं। सवाल है कि विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण केवल आबादी के हिंसाब से होना चाहिए या भौगोलिक क्षेत्रफल के अनुसार? दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। कश्मीर में 349 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर एक विधानसभा है, जबकि जम्मू में 710 वर्ग किलोमीटर पर। परिसीमन के लिए सामान्यत: पांच पहलुओं को आधार बनाया जाता है- क्षेत्रफल जनसंख्या, क्षेत्र की प्रकृति, संचार सुविधा तथा इससे मिलते-जुलते अन्य कारण। जम्मू कश्मीर में इनका ध्यान नहीं रखा गया है। जम्मू और लद्दाख को देखें तो क्षेत्रफल अधिक होने के साथ ही भौगोलिक स्थिति भी विषम है। संचार सुविधाओं की भी समस्या है। कुल मिलाकर जम्मू कश्मीर का क्षेत्र निर्धारण असंतुलित है और इसे दूर करना अपरिहार्य है। दूसरे, यहां अनुसूचित जाति-जनजाति समुदाय के आरक्षण में भी विसंगति है। जम्मू संभाग में अनुसूचित जाति के लिए सात सीटें आरक्षित हैं लेकिन उनका भी रोटेशन नहीं हुआ है। घाटी की किसी भी सीट पर आरक्षण नहीं है जबकि यहां 11 प्रतिशत गुज्जर-बक्करवाल और गद्दी जनजाति समुदाय के लोग रहते हैं। अगर देश के लिए निर्धारित कसौटियों पर परिसीमन हुआ तो फिर पूरा राजनीतिक वर्णक्रम बदल जाएगा। जम्मू संभाग के हिस्से ज्यादा सीटें आएंगी। लद्दाख की सीटें भी बढ़ेंगी। कश्मीर की सीटें घट जाएंगी। तो कश्मीर घाटी की बदौलत अभी तक राज करने वाली दोनों मुख्य पार्टियों के लिए समस्या खड़ी होगी। इसलिए उनका विरोध स्वाभाविक है। देश के अन्य राज्यों और जम्मू कश्मीर में अंतर है। किसी दूसरे राज्य में ऐसा असंतुलन नहीं है। जम्मू कश्मीर को भारत के सभी राज्यों की तरह समान धरातल पर लाना है तो वहां की राजनीतिक, प्रशासनिक, सुरक्षात्मक और सबसे बढ़कर संवैधानिक स्थितियों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। परिसीमन तो इसमें से एक कदम होगा। यह सही है कि पैंथर्स पार्टी की ओर से भीम सिंह द्वारा इसके विरुद्ध दायर याचिका पर जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय तथा बाद में 2011 में उच्चतम न्यायालय की खंड पीठ ने भी परिसीमन के पक्ष में फैसला नहीं दिया। कई बार न्यायालय भी अपने फैसले बदलता है। सरकार चाहे तो इस दिशा में कदम उठा सकती है। तो देखते हैं क्या होता है।

बहरहाल, मोदी सरकार की पिछले सात-आठ महीने की जम्मू कश्मीर नीति को एक साथ मिला दें तो साफ हो जाएगा कि सुनियोजित तरीके से सभी मामलों पर कदम उठाए जा रहे हैं। ऑपरेशन ऑल आउट के तहत आतंकवादियों के खात्मे में तेजी, आतंकवाद के वित्तपोषण के अपराध में अलगाववादी नेताओं की एनआईए द्वारा गिरफ्तारी ' जिस समय अमित शाह बैठकें कर रहे थे उसी समय न्यायालय ने शब्बीर शाह, आसिया अंद्राबी और मसरत आलम को एनआईए के हिरासत में दे दिया' जमायत-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध एवं उनके प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार करना, घाटी में एक साथ 112 कंपनी सुरक्षा बलों को उतारना, संदिग्धों के घर की तलाशी, हुर्रियत एवं उनके समर्थकों की सुरक्षा वापसी,प्रमुख हुर्रियत नेताओं के यहां छापा, अब आतंकवादियों की हिट लिस्ट बनाकर उनके खिलाफ केन्द्रित ऑपरेशन... और अब परिसीमन की चर्चा। इसके साथ 35 ए हटाने की घोषणा सरकार कर चुकी है। यह राष्ट्रपति के आदेश से कभी भी हो सकता है। पाकिस्तान को यह बताया जा ही चुका है कि अगर आपने आतंकवादी हमले कराए तो फिर आपके घर में घुसकर हम मारेंगे। इस तरह जम्मू कश्मीर में भारत के अनुकूल बदलाव का नया दौर चल रहा है जिसमें लक्ष्य भी साफ है,सुसंगति भी है और संकल्पबद्धता भी। उम्मीद करनी चाहिए कि नरेन्द्र मोदी सरकार 2 इन सबको तार्किक परिणति तक ले जाएगी। यह सब जम्मू कश्मीर के लिए इतिहास निर्माण जैसा होगा और यहां से एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

ई:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली: 110092,
दूरभाष:01122483408, 9811027208

# जयपुर (राजस्थान) में प्रान्तीय आर्य युवा निर्माण शिविर का शुभारम्भ

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री यशपाल यश की अध्यक्षता में दिनांक 14 जून से 20 जून 2019 तक संस्कार भवन,जयपुर में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण शास्त्री व डा.प्रमोदपाल कुशल संचालन कर रहे है।

# अमर शहीद पं.रामप्रसाद बिस्मिल का 122 वां जन्मोत्सव सम्पन्न

मंगलवार 11 जून 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आज अमर शहीद प रामप्रसाद बिस्मिल का 122 वा जन्मोत्सव एमिटी ऑडिटोरियम सेक्टर 44 नोएडा में सोल्लास मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवा कर किया और राष्ट्र रक्षा का संकल्प आर्य युवकों ने लिया। समारोह अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि रामप्रसाद बिस्मिल का जीवन भटके हुए हजारों युवाओं के लिये प्रेरणा का स्रोत है। रामप्रसाद बिस्मिल और उनके सखा अशफाक उल्ला खा ने अंग्रेजी हकुमत को हिला दिया और क्रांतिकारी आंदोलन की शुरूआत की। बिस्मिल महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुगामी थे और आर्य समाज से प्रेरणा लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। बिस्मिल ने फांसी से पहले गीत लिखा था 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है' जो आज हर व्यक्ति की जुबान पर है बिस्मिल लेखक, साहित्यकार, शायर भी थे उन्होंने 11 पुस्तकें लिखी उनकी फांसी से 3 दिन पहले दिल को हिला देने वाली आत्म कथा सभी को पढ़नी चाहिए। बिस्मिल में राष्ट्र भक्ति का जज्बा भरा हुआ था उनका जीवन युवाओं के लिए प्रकाश पुंज का कार्य सदियों तक करता रहेगा। आचार्य गवेन्दर शास्त्री ने आह्वान किया कि शहीद किसी कोम या जात पात का नहीं होता वह तो पूरे राष्ट्र का होता है। जिन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वस्व होम कर दिया उन्हें सदैव स्मरण रखना चाहिए। आचार्य भानुप्रताप शास्त्री ने ओजस्वी गीतों से नया उत्साह दिया व श्रीमती प्रवीन आर्या के मधुर भजनों पर सभी झूम उठे। कुशल संचालन योगेंद्र शास्त्री व सौरभ गुप्ता ने किया। कृष्ण लाल राणा, एस सी ग्रोवर, विवेक अग्निहोत्री, तिरलोक शास्त्री,यज्ञ वीर चौहान,प्रदीप आर्य,अरुण आर्य,शिवम मिश्रा आदि उपस्थित थे।

# स्वामी दीक्षानन्द जी का 101वां जन्मोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार 9 जून 2019, मूर्धन्य आर्य संन्यासी स्वामी दीक्षानंद सरस्वती का 101 वा जन्मोत्सव समर्पण शोध संस्थान आश्रम सेक्टर 5 राजेन्द्र नगर साहिबाबाद में श्री श्रद्धा नंद शर्मा की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ वाचस्पति ने यज्ञ करवा कर किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी दीक्षानंद जी वेदों के प्रकाण्ड विद्वान थे उन्होंने यजयी परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने वैदिक साहित्य के लेखन में उलेखनीय योगदान दिया। आज स्वामी जी के आदर्श जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। डॉ गणेश दत्त शर्मा ने कहा कि मुझे स्वामी जी के काफी निकट रहने का अवसर मिला वह राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत थे। डॉ धर्मेंद्र शास्त्री ने उन्हें वेदों का महान उन्नायक बताया। आर्य विदुषी प्रेम लता भटनागर,विनय आर्य,कर्नल रवि भटनागर, सत्यवीर चौधरी,प्रवीन आर्य ने भी अपने विचार रखे और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए । राकेश भटनागर ने कुशल सञ्चालन किया। पं. सत्यपाल पथिक(अमृतसर), सुकृति अविरल माथुर,राजेश आर्य के मधुर भजन हुए। डॉ राजेन्द्र प्रसाद भटनागर, रमेश भटनागर, उमा जी,के के यादव,वेदप्रकाश शास्त्री,माधव सिंह आर्य ने कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री नरेन्द्र पांचाल,सुरेश आर्य,रमेश गाड़ी,राम कुमार आर्य आदि मौजूद रहे।

# 'तुष्टिकरण की नीति राष्ट्रीय एकता में बाधक है'- राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 14 जून 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित विशाल आर्य युवक चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण शिविर एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में आर्य युवकों को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा की वर्ग विशेष की तुष्टि करण की नीति राष्ट्रीय एकता में बाधक है, वर्ग विशेष या जाति विशेष अथवा प्रान्त विशेष के नाम से किसी प्रकार की सुविधाएं देना राष्ट्रहित मे नही है, इससे देश बंटता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश मे समान आचार संहिता लागू करके राष्ट्रीय एकता अखंडता को मजबूत करने का कार्य किया जाए। डॉ आर्य ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून आज देश की सबसे बड़ी आवश्यकता है हम दो हमारे दो और सबके दो का सिद्धांत सब पर समान रूप से लागू होना चाहिए। श्री आर्य ने कहा कि लालकिले पर तिरंगा तभी तक सुरक्षित है जब तक हिन्दू इस देश में बहुसंख्यक है, उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षित आर्य युवक समाज में व्याप्त कुरीतियों पाखण्ड अन्धविश्वास के विरुद्ध अभियान चलाएंगे और देश की एकता अखण्डता को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।कर्म शील, संकल्पवान और पुरुषार्थी व्यक्ति ही जीवन में आगे उन्नति करता है।

वैदिक विद्वान आचार्य यशपाल शास्त्री ने कहा कि महर्षि दयानंद महान समाज सुधारक थे सबसे पहले स्वदेशी का नारा उन्होंने ही दिया।उन्होंने युवको से सद गुण धारण करने और बुराईयों को छोड़ने का आह्वान किया। आचार्य महेन्द्र भाई ने परिषद के इतिहास पर प्रकाश डाला। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री व श्रीमती प्रवीन आर्या के प्रेरणा प्रद भजन हुए। इस अवसर पर मुख्य रूप से आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, कृष्ण लाल राणा, अरुण आर्य, शिवम मिश्रा, एस सी ग्रोवर, विवेक अग्निहोत्री, त्रिलोक शास्त्री, प्रवीण आर्य आदि उपस्थित रहे।

# फरीदाबाद में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सोल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फरीदाबाद के तत्वावधान में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर रविवार, 2 जून से रविवार, 9 जून 2019 तक आचार्य शिवकुमार शास्त्री (गुरूकुल पूठ,हापुड़) की अध्यक्षता में सैनी पब्लिक स्कुल,भारत कालोनी,फरीदाबाद में सम्पन्न हुआ । परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य उद्घाटन व समापन पर दोनो दिन पंहुचे। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारवान युवाओं पर ही देश का भविष्य निर्भर करता है हमें इस युवा निर्माण अभियान को ओर अधिक गति से चलाने की आवश्यकता है। उपरोक्त चित्र में शिक्षाविद प्रि.सुभाष श्योराण,प्रि.गजराजसिंह आर्य व विद्याभूषण आर्य का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,साथ में जिला अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह आर्य,राकेश भार्गव व हरपाल सैनी। श्री दासराम आर्य,नन्दलाल कालरा,मदनलाल तनेजा,महेश गुप्ता,विमला ग्रोवर,सत्यप्रकाश भारद्वाज,विजेन्द्र शास्त्री,ओमप्रकाश सेठी,रोजी पण्डित,देवेन्द्र यादव(डी.जी.एम.ऐस्कार्टस लि.),वजीर डागर(प्रधान,आल ऐस्कॉर्टस एम्पलाईज यूनियन),गुलाबसिंह पत्रकार,सुधीर कपूर, वेदप्रकाश शास्त्री,सुशील शास्त्री,अनिल हान्डा,लाला मेघराज आर्य,अशोक शास्त्री आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे । कुशल संचालन महामंत्री वीरेन्द्र योगाचार्य व सत्यपाल शास्त्री ने किया । आर्य युवकों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन के आकर्षक कार्यकम दिखाये गये।

# केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 41 वां स्थापना दिवस सोल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की प्रथम ईकाई की स्थापना 3 जून 1978 को श्री अनिल आर्य ने आर्य समाज, हड़सन लाईन, दिल्ली में की थी, इसका 41वां स्थापना दिवस सोमवार, 3 जून 2019 को आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली के सभागार में सोल्लास सम्पन्न हुआ। शुभारम्भ आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवा कर किया व कविता आर्या, प्रवीन आर्या, रमेश बेदी के मधुर भजन हुए। चित्र में परिषद् के कर्मठ कार्यकर्ता सुदेश भगत का सपत्निक अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, ओम सपरा, महेन्द्र भाई, पार्षद गुडडीदेवी जाटव, देवेन्द्र भगत व अशोक नागपाल। द्वितीय चित्र में श्री रामचन्द्रसिंह के अभिनन्दन का सुन्दर द्रश्य। प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सभी विदा हुए।

श्री हरीशचन्द्रसिंह का अभिनन्दन करते हुए पार्षद गुडडीदेवी जाटव, ओम सपरा, के. के. सेठी, अनिल आर्य। द्वितीय चित्र में–पार्षद गुडडीदेवी जाटव का अभिनन्दन करते प्रवीन आर्या,कविता आर्या व प्रतिभा सपरा आदि।

ऐमिटी कैम्पस,सैक्टर–44, नोएडा के मंच पर केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के साथ परिषद् की मजबूत टीम के कर्मठ अधिकारी व शिक्षकगण।

परिषद् के अपार सहयोगी श्री भारत भूषण साहनी व द्वितीय चित्र में श्री राम लुभाया महाजन

# अशोक विहार,दिल्ली में हुआ पर्यावरण शुद्वि यज्ञ व रविदेव गुप्ता का अभिनन्दन

बुधवार, 5 जून 2019, फेडरेशन आफ वजीरपुर, आर्य समाज अशोक विहार व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 51 कुण्डीय पर्यावरण शुद्वि यज्ञ आचार्य नरेन्द्र मैत्रेय के ब्रह्मत्व में अशोका गार्डन,अशोक विहार,दिल्ली में किया गया। चित्र में पूर्व विधायक डा. महेन्द्र नागपाल व उपमहापौर योगेश वर्मा का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रेम सचदेवा,बृजमोहन गर्ग,समीर सहगल,जीवनलाल आर्य,देवेन्द्र भगत,ममता शर्मा,अशोक खारी आदि। द्वितीय चित्र–शिविर में श्री रविदेव गुप्ता का ओजस्वी उद्बोधन हुआ, उनका स्वागत करते महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य, सत्यवीर चौधरी, आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री व वीरेन्द्र आर्य(जीन्द)

**अपील:** केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड **-SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – अनिल आर्य, मो. **9868051444**

## शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1 श्री बलदेवराज आर्य (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, तिलक नगर, दिल्ली का निधन।
2. श्रीमती चन्द्रवतीदेवी (माता आचार्य योगेन्द्र शास्त्री,रोहिणी) का निधन।
3. श्रीमती माधुरी भगत (भाभी श्री सुदेश भगत) का निधन।
4. श्री विश्वनाथ गुलाटी (अशोक विहार, दिल्ली) का निधन।
5. श्रीमती चन्द्रकांता सेठी (प्रशान्त विहार, दिल्ली) का निधन।

**आर्य जनता का विश्वास है हमारे साथ!!!**

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970